an>

Title: Need to convert N.H. 84 from Buxar to Patna into four lane and to construct four-lane bridge on river Ganga including repair of N.H. 30 between Mohania and Arrah.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) ः हमारे संसदीय क्षेत्र बक्सर से पटना एन.एच.-84 के चार लेन निर्माण हेतु केन्द्र सरकार की स्वीकृति मिलने के उपरांत दो वर्ष पूर्व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शिलान्यास सम्पन्न हुआ था। बक्सर-भोजपुर एन.एच.-84 (48 कि.मी., जो 595 करोड़ रू. की लागत से निर्माण कार्य होना था) जिसका निर्माण कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ है। इसका मुख्य कारण किसानों को समुचित मुआवजा राशि के भुगतान में राज्य सरकार के जिला प्रशासन का भेदभाव रवैया है। अन्य माँगों को लेकर किसान संघर्ष समिति द्वारा आंदोलनात्मक कार्यक्रम जारी है।

एन.एच.-84 पर गंगा नदी पर वर्तमान वीर कुंवर सिंह सेतु के समानान्तर नया दो लेन सेतु का निर्माण कार्य होना था। जो अभी तक शुरु नहीं हुआ है। पुराने सेतु की स्थिति काफी जर्जर होने से भारी वाहनों एवं छोटे वाणिज्यिक वाहनों के आवागमन में जिला प्रशासन द्वारा रोक लगी हुई है। इन सभी परिस्थितियों के कारण इस व्यापार से जुड़े लोग बेरोजगार हो गए हैं। इसके कारण जिले के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। पुराने पुल का नक्शा राज्य सरकार के पास नहीं है, जिससे पुराने सेतु का आधुनिक तकनीक से मरम्मत करना कठिन हो गया है। अतएव उसके समानान्तर चार लेन के नये सेतु और पुराने सेतु का निर्माण करना जनहित में उपयोगी होगा।

मोहनिया से आरा एन.एच.-30 की हालत वर्षों से बहुत जर्जर है। स्थिति यह है कि सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिसके कारण वाहन दुर्घटना की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। दुर्घटनाओं में लोगों को जान भी गंवानी पड़ी है। राज्य सरकार और ठेकेदार के बीच विवाद का मामला न्यायालय में लंबित होने के कारण स्थिति संकटमय हो गई है तथा जन आंदोलन हो रहे हैं, जिससे केंद्र सरकार की छवि पर भी गलत असर पड़ रहा है।

अतः उपर्युक्त समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अविलम्ब जनहित में आवश्यक कार्यवाही करे।